

हसिधि गुरु नारायणं का मति धा स कामम ता
 का गीमयु स्नान वे थय श गिः वा न वूति वूति
 प्राति खूति, खाति खाति खूति, जान स पा
 ति, प्रा नम ल प्रा न चित थ थ वय सा न धा न
 न सू डया त न ख नित न खान सिय व न स, व सि

अथ नारायण

598

I

सुप्रभाय

क न डू प्रा ०॥ ॥ सा प्राय क वा स ॥ स प्रा नः सरवा ॥ समी मे
 ल ख नि पा य ॥ १ ॥ मू सू व ल १ रु कि १ ह डि १ कू त १ ख

अतः संपद
नमो

य ल १ त ख स नि प्रा य त गी त रं द यो वे ॥ १ ॥

हिं १ जि स्त्री चि क १ नू सि पु १ स प्रा य क वा स चि क वा व व

न क दा य क वा कू य ॥ १ ॥ नू र सि १ य द व १ मि य कि सि १

ह ल द १ य लो १ कू त १ नी व १ गू र त १ थ त वा दू स क

स पा य वा कू थ कू कू ना स ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥

१२ तगदता १ तलद १ संभू १ पाश्र्ति १ सुद दूरसयप
 ताहा १ सुभ निस्स भति त्रि सत यहा, सिधत्रकभूमा स १११॥
 लका विकखुन, अरुतपातहा, चवकहा, सुसिद्धि १११॥
 नत कुद नभ पोनेयवूय, अयाग्न तायि सपाक
 धिक सुति कृति पभल दाद ॥ ५॥

कय विकखुन, अरुतल सुनिहा, सुताल, तगनाहु
 सा, वलिति, कलिलष, दाहुल स्कनहा, अत तादि
 याव पूय अ धकन कुल डितादाव, अनपाय के यम
 यका सहायक ॥ ७॥

रति चिय हन॥ का र्मी का र्ज ५२ ला ५३ ला॥ पाद क न ५४ ला॥
द्वि लया, वना वना॥ हति य र्ज ५५ ला॥ वनु य ५६ ला॥ सं ना स॥
यव मी ५७ ला॥ ल ५८ ला॥ वधि क न ५९ ला॥ सफ मि म न न ६० ला॥
पा सी द्वि॥ ५१ सु मि ग मुं पा द क॥ न व मि म ५२॥ द स मि स र्व
कार्य सी धी॥ ५३ का द सी म न ला॥ न पा का र्ज सिद्धि, द्वा द सि

कार्ज ना स, उ द सि स र्व कार्य मि धि॥ व नु द सि का र्ज स म
त न न र्थ॥ पूर्ण मा सि का र्ज सी डी॥ अ मा वा सि का र्ज स र
थु ति ति थी ग न का र्ज स म त न न र्थ॥ वा न ग म न अ ग वा न
क नु प र्व ग न न र्थ ना ला॥ ॥ स म वा न द कि न ध न ना ला
व ध वृ स्य, वा न प डी मि का र्ज सिद्धि॥ ॥ आ दि त्प र क

न, नन नात ॥ वृत्त्यतिदीन, हात नात ॥ इकुदिन वन हा न्ना
स्मिनादन, मान हून सा, अदान विद्या अडलि ॥ थती हान
दीन वात ह हा ॥ ॐ ॥ का कह के ल इत गुरु क या त ॥
पुहन १ पूर्व सा स हान सा का डी सिद्धि ॥ ॥ अग्नि स्व स्य हा
न सी, जी त म ॥ द कि न स्व स्य हा न सा, धन हानि ॥ ने म न स स

हान सा ना त ॥ पष्ठी म स स्य हा न सा, मीठ ना त ॥ वायु व स स्य
हान सा अ क द द न ॥ उर्क न स स्य हा न सा, प्री ति द म ॥ ॐ अ
न स स्य हा न सा, पं व या के रु त ता त ॥ द थू ल का ह स्य हा न सा
पु न ना त ॥ ॥ पुहन २ पूर्व स स्य हा न सा, क न ह वा ता न न
स स्य हा न सा, न न न बा ता, द कि न स स्य हा न सा त्र मि ना ता,
ने म न स स्य हा न अ न स स्य हा न सा म न न वी ता

नेमत्यस्य हानवा नवा ला, पछीमस्य ना ल दय, वायव्यस्य
धनना ल, उत्तरस्य हानसा कर ह, पूर्वस्य हानसा व
ध्वदभन, मध्यस्य ही दिवा ला प्रह ३ पूर्वस्य हानसा वीन ल
उत्तरस्य, सकृत् लय दकी स्य हानसा, भगनवा ला नेमत्यस्य
हानसा कर हवा ला, पछीमस्य हानसा प्री तीगभन ॥ वा
यवस्य हानसा ला जनवा ला, उत्तरस्य हानसा लमकवा

किं गीमनस्य हानसा वीन लय, मध्यका ला स्य हानसा वी
॥ ॥ प्रहन च पूर्वस्य हानसा वीन लय, उत्तरस्य हान
लयवा ला ॥ दकी स्य हानसा सन नवा ला नेमत्य
हानसा सकृत् लयः पसीमसा स्य हानसा प्रीतिभननः वायु
स्य हानसा ला जनवा ला, उत्तरस्य हानसा ला मीनं डानमा
किं गीमनस्य हानसा वीन लय, मध्यका ला स्य हानसा ला ॥

पर्वस्य हा वि का न जा न सा म न न वा ला. अ न सा स हा की का न
सा दू न दः ख वा ला, द की न ह स हा की का न सा न सा, हा नि, ने
अ त्म * व धू ल द य मी * ला ज न वा ला ना रु, वा य क न ह, उ
न ध न ना, ००० म न ह सी हि ख न घ न श य ॥ का स स हा की
का न जा न सा, म न न वा ला ॥ ००० ति की क य त्रि क स मा फ न

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ११ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १२ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १३ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १४ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १५ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १६ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १७ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १८ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १९ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २० ॥

॥ अथ श्रीगणेशोपनिषत् ॥
 ओम् नमः शिवाय ॥
 इति श्रीगणेशोपनिषत् समाप्ता ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

